

# क्या हम अकेले हैं? (3 का भाग 3): जनिन् हमारे बीच मौजूद हैं, लेकिन हमसे अलग हैं।

रेटगि:

वविरण:

श्रेणी: [लेख इस्लाम की मान्यताएं आस्था और अन्य इस्लामी मान्यताओं के छह स्तंभ](#)

द्वारा: Aisha Stacey (© 2011 IslamReligion.com)

पर प्रकाशति: 04 Nov 2021

अंतमि बार संशोधति: 04 Nov 2021

हम अकेले नहीं हैं! यह बात साइंस फकिशन फलिम के वजिजापन के जैसी लगती है। बस ऐसा ही हो सकता था, लेकिन ऐसा नहीं है। हम वास्तव में पृथ्वी पर अकेले नहीं हैं। हम ईश्वर के बनाये हुए प्राणी हैं, लेकिन हम ईश्वर के बनाये हुए एकमात्र प्राणी नहीं हैं। पछिले दो लेखों में हमने जनिन् के बारे में बहुत कुछ जाना है। हमने बताया कि ईश्वर ने जनिन् को अग्निकी ज्वाला से मनुष्यों से पहले बनाया था। हमने यह भी बताया कि जनिन् पुरुष और महिला, अच्छे और बुरे, आस्तकि और नास्तकि होते हैं।



जनिन् हमारी दुनिया में मौजूद हैं, फरि भी वे हमसे अलग हैं। शैतान जनिन् में से है और उसके अनुयायी जनिन् और मनुष्यों दोनों में से होते हैं। जैसा कि अब हम जान चुके हैं कि हम अकेले नहीं हैं, तो यह आवश्यक है कि जनिन् की उपस्थति का संकेत देने वाले संकेतों को पहचानें और जानें कि उनकी शरारतों और बुरे कामों से खुद को कैसे बचाया जाए।

**"हमने मनुष्य को सड़े हुए गारे की खनखनाती हुई मट्टी से बनाया है। और इससे पहले जनिनों को हमने अग्निकी ज्वाला से पैदा किया।" (कुरआन 15:26-27)**

**"मैंने जनिनो और मनुष्यों को सरिफ अपनी पूजा करने के लिए पैदा किया है।" (कुरआन 51:56)**

क्योंकि जनिन् हमारे साथ इस दुनिया में रहते हैं, हमें उनके रहने के स्थान का पता होना चाहिए। जनिन् एक साथ खंडहर और सुनसान जगहों पर इकट्ठा होते हैं, और कभी-कभी तो बहुत बड़ी संख्या में। वे

गंदगी, कचरे वाली जगह और कब्रस्तान में इकट्ठा होते हैं। जनिन् कभी-कभी ऐसी जगहों पर इकट्ठा होते हैं जहां उनके लिए शरारत करना और तबाही मचाना आसान होता है, जैसे कबाजार वाली जगह।

पैगंबर मुहम्मद (ईश्वर की दया और कृपा उन पर बनी रहे) की परंपराओं से हमें पता चलता है कि उनके कुछ साथियों ने लोगों को सलाह दी थी कि बाजार वाली जगहों पर सबसे पहले न जाएं और सबसे आखिर तक न रुकें क्योंकि ये शैतानों के लिए युद्ध का मैदान होता है [1]

यदि कोई शैतान आदमी के घर को अपने रहने की जगह बना ले तो उसके लिए ईश्वर ने हमें "हथियार" दिए हैं जिससे हम उन्हें अपने घरों से निकाल सकते हैं। इनमें शामिल है बस्मिल्लाह (शुरू करता हूं मैं ईश्वर के नाम से) कहना, ईश्वर को बार-बार याद करना और कुरआन के किसी भी छंद का पाठ करना, विशेष रूप से अध्याय दो और तीन का पाठ करना। जनिन् जब भी प्रार्थना की पुकार सुनते हैं तो वो भाग जाते हैं।

पैगंबर मुहम्मद ने समझाया कि जनिन् बड़ी संख्या में इकट्ठा होते हैं और अंधेरा छाने पर फैल जाते हैं। इसी वजह से उन्होंने शाम के समय अपने बच्चों को अंदर रखने की आज्ञा दी। [2] उन्होंने हमें यह भी बताया कि जनिन् के पास जानवर होते हैं और उनके जानवरों का भोजन हमारे जानवरों का गोबर है।

कभी-कभी मनुष्यों के जानवर जनिन् से जुड़े होते हैं। उदाहरण के लिए, कई जनिन् सांपों का रूप धारण करने में सक्षम हैं और पैगंबर मुहम्मद ने काले कुत्तों को शैतान बताया। उन्होंने यह भी बताया कि "ऊंटों के बाड़े में प्रार्थना न करें क्योंकि उनमें शैतान रहते हैं।" [3] उन्होंने ऊंटों को उनके आक्रामक स्वभाव के कारण जनिन् से जोड़ा।

ऐसे कई तरीके हैं जिनसे हम अपने और अपने परिवार को जनिनों की शरारतों से बचा सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण है ईश्वर की ओर जाना और उनसे मदद मांगना; हम कुरआन और पैगंबर मुहम्मद की शिक्षाओं का पालन करके ऐसा कर सकते हैं। ईश्वर की शरण में आने पर, वो हमें जनिन् और शैतानों से बचाएंगे। जब हम बाथरूम में जाएं [4], जब हम क्रोधित हों [5], संभोग से पहले [6], और यात्रा पर आराम करते समय या घाटी में यात्रा करते समय [7]. हमें ईश्वर से सुरक्षा की मदद मांगनी चाहिए। कुरआन पढ़ते समय भी ईश्वर की शरण लेना जरूरी है।

**"तो जब आप कुरआन पढ़ें, तो धक्कारे हुए शैतान से ईश्वर की शरण मांग लिया करें। वस्तुतः, उसका वश उनपर नहीं है जो आस्तिकि है और अपने पालनहार पर ही भरोसा करते हैं।" (कुरआन 16:98-99)**

जनिन् के स्वभाव को समझने से, हमारे लिए दुनिया में होने वाली कुछ अजीबोगरीब घटनाओं को समझना आसान हो गया है। लोग भवषिय या अज्ञात को जानने के लिए ज्योतिषियों और मनोवैज्ञान की ओर



पैगंबर मुहम्मद ने हमें बताया कि मिनूष्यों और जन्म की बुराई से ईश्वर की सुरक्षा पाने का सबसे अच्छा तरीका क़ुरआन के अंतमि तीन अध्याय हैं। कभी-कभी हमें जन्मों की बुराई का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन ईश्वर हमारा सुरक्षति आश्रय है, और उनकी ओर जाना ही हमारा बचाव है। ईश्वर की सुरक्षा के अलावा कोई और सुरक्षा नहीं है, हम सरिफ उसी की पूजा करते हैं और सरिफ उसी से मदद मांगते हैं।

---

फ़ुटनोट:

[1] सहीह मुस्लमि

[2] सहीह अल-बुखारी, सहीह मुस्लमि

[3] अबू दाऊद।

[4] इब्डि

[5] सहीह अल-बुखारी, सहीह मुस्लमि

[6] इब्डि

[7] इब्न् माजा।

[8] सहीह अल-बुखारी

इस लेख का वेब पता:

<https://www.islamreligion.com/hi/articles/4201>

